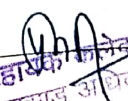


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही अज इजिशिल्यस जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख के जारी हुये
22.04.25	<p>पत्रावली पेश। उमय पक्ष वकील उप.। अप्रार्थी सं. उसे 14 को कड-रुड कर तीन बार आवाज दिलवाई गई। कोर्ट उपस्थित नहीं होने से उमके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती है। उमय पक्षकारान अधिवक्ता की बहल सुनी गई। प्रार्थीया अधिवक्ता द्वारा निवेदन किया कि मौजा ग्राम जाखल के खेत खलरा नम्बर 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1496, 1496/1715, 1507, 1508, 1509, 1516, 1518, 1519, 1530, 491 जुमले रकबा 7.91 हेक्टेयर व ख.न. 514 रकबा 1.30 हेक्टेयर आराजी आयी हुई है। जिलमें प्रार्थीया का चुश्नी हड हड्ड व कब्जा भी है। अप्रार्थीगण अपने हिल्ले से अधिद की शमी किली अजनबी डैला को बँचान करने पर तुले है। अतः मूल वाद के निस्तारण तक अप्रार्थीगण को अल्ल्याई निषेधाज से पाबंद करमावे।</p> <p>अप्रार्थीगण सं. 1 व 2 के अधिवक्ता द्वारा प्रार्थीया के कथनों को नकारते हुये अप्रार्थीगण</p>	


 सहायक जज सांचौर
 (उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)



को परेजान करने की नियत के प्राचीया द्वारा ~~कलमि~~ अस्थाई निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र पेश किया कावर्षन किया।

हमने उभय पक्ष अधिवक्ता के बहम व पत्रावली में संलग्न दस्तावेजों मनन व अवलोकन किया। प्रथम दुग्या सुन्या का संतुलन व अद्वर्णीय ब्रति के हीनों बिंदु प्राचीया के पक्ष में होये प्राचीया का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है।

— 'आदेश' —

अतः प्राचीया के पक्ष में अप्राचीया के निरुह मूल वाद के निस्तारण तड इस अमर की अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जाती है कि मौजा जाखर के ख.न. 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1496, 1496/1715, 1507, 1508, 1509, 1516 1518, 1519, 1530, 491, 514 जुमले रकबा 9.11 हे. में मौके एवं राजस्व रेड्ड की यथास्थिति बनाये रखे। पत्रावली फैंसल शुमार होकर नंबर से कम होकर दाखिल दफतर हो।

(पक्ष)
अधिवक्ता, सांघीर
जुमले रकबा, सांघीर